दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 22, अंकः 02 ■ दमण, गुरुवार 17, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

घेलवाड में स्थापित गणेश प्रतिमा के विसर्जन में शामिल हुए प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं सरपंच हिताक्षी पटेल

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 17 सितंबर। घेलवाड पंचायत क्षेत्र में गणेश भक्तों द्वारा गणेश चतुर्थी के दिन विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की थी। दो दिनों तक भक्तों ने सुबह-शाम भगवान की गणेश की पूजा-अर्चना एवं आरती की। तीसरे दिन पूजा-अर्चना करके बप्पा को विदाई दी गयी। घेलवाड में स्थापित ढाई दिन के गणपति बप्पा को आज श्रद्धा एवं आस्थापूर्वक विसर्जित किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल तथा उनकी पुत्रियों ने शामिल होकर गणपति बप्पा को विदाई दी। दमण में जेटी पर गणेश भक्तों ने बप्पा की आरती उतारकर गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जल्दी आना, के जयघोष के साथ गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया।

केतन पटेल एवं अमी पटेल ने घेलवाड में स्थापित गणपति बप्पा का लिया आशीर्वाद,विसर्जन में हुए शामिल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 16 सितंबर। दमण के घेलवाड विस्तार में आस्था एवं भक्तिभाव से गणेश महोत्सव मनाया जा रहा है। आयोजकों द्वारा गणेश चतुर्थी के दिन विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई थी। आज अमी पटेल ने घेलवाड में स्थापित गणेश पंडाल में पहुंचकर विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश एवं देश की सुख-शांति एवं खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही विसर्जन में शामिल होकर गणपति बप्पा को विदायी दी। इस मौके पर केतन पटेल, अमी पटेल और उनके पुत्र एवं पुत्री तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष तथा युवाओं की मौजूदगी रही।

डीएमसी के पूर्व प्रेसिडेंट मनोज नायक ने सपरिवार दमण का राजा गणेश का लिया आशीर्वाद

■ दमण का राजा गणेश महोत्सव आयोजकों की ओर से मनोज नायक का किया गया स्वागत

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 16 सितंबर। दमण का राजा ग्रुप द्वारा गणेश चतुर्थी दिन आस्थापूर्वक विधि-विधान के साथ भगवान गणेश की विराट प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में गणेश भक्त सुबह-शाम दमण का राजा के दर्शन करने पहुंच रहे है और आरती का लाभ ले रहे है। आज शाम डीएमसी के पूर्व प्रेसिडेंट मनोज नायक ने सपरिवार पहुंचकर दमण का राजा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रदेश एवं देश की सुख-शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर दमण का राजा गणेश महोत्सव आयोजकों की ओर से डीएमसी के पूर्व प्रेसिडेंट मनोज नायक का शाल ओढाकर और दमण का राजा की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया गया।

सोमनाथ के सड़क फलिया में शिवशक्ति ग्रुप द्वारा स्थापित गणपति का हुआ विसर्जन

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल, दमण जिला पंचायत उपाध्यक्ष रीना पटेल, सोमनाथ ग्राम पंचायत सदस्य निकिता पटेल डाभेल जिला पंचायत सदस्य तोरल पटेल, डाभेल ग्राम पंचायत उपसरपंच शैलेष पटेल सहित बड़ी संख्या में शिवशक्ति ग्रुप के सदस्यों ने विघ्नहर्ता को दी विदाई

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 16 सितंबर। सोमनाथ सडक फलिया में शिवशक्ति ग्रुप द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी के दिन आस्थापूर्वक विधि-विधान से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई थी। ढाई दिनों तक भगवान गणेश की सुबह-शाम पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। शिवशक्ति ग्रुप द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा का प्रतिदिन बडी संख्या में गणेश भक्तों एवं महानुभावों ने पहुंचकर दर्शन किया और आशीर्वाद लिया। ढाई दिन के लिए स्थापित गणेश प्रतिमा को आज श्रद्धा के साथ विसर्जित किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल, दमण जिला पंचायत उपाध्यक्ष रीना पटेल, सोमनाथ ग्राम पंचायत सदस्य निकिता पटेल डाभेल जिला पंचायत सदस्य तोरल पटेल, डाभेल ग्राम पंचायत उपसरपंच शैलेष पटेल सहित बड़ी संख्या में शिवशक्ति ग्रुप के सदस्यों ने विघ्नहर्ता को विदाई दी। दमण जेटी पर बप्पा की आरती करके गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जल्दी आना के जयघोष के साथ सभी ने गणपति प्रतिमा को विसर्जित किया।

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के घर बप्पा के दर्शन किए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। गणपति उत्सव के पावन अवसर पर देश के बड़े राजनेताओं ने श्रद्धा और उल्लास के साथ विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन किए और देशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नई दिल्ली स्थित आवास पहुंचे, जहां उन्होंने गणपति बप्पा के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आरती उतारी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। उन्होंने धोती-कुर्ता और सिर पर महाराष्ट्र की पारंपरिक टोपी धारण कर रखी थी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस विशेष क्षण की तस्वीरें साझा करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कामना की कि भगवान श्री गणेश सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री के अपने आवास पर आने पर आभार व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए सौभाग्य बताया। इसके अलावा, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी पीयूष गोयल के आवास पर पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए और शांति व समृद्धि की प्रार्थना की। दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई पहुंचकर गणेश उत्सव में हिस्सा लिया। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर देशवासियों के कल्याण का आशीर्वाद मांगा। इसके पश्चात, गृह मंत्री महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर भी गए, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ बप्पा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान राजनीतिक दिग्गजों के इन आयोजनों से देश भर में गणेश चतुर्थी का उल्लास और अधिक बढ़ गया। विभिन्न नेताओं के इन आयोजनों ने उत्सव के पारंपरिक और सांस्कृतिक महत्व को और प्रगाढ़ किया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी आस्था प्रकट कर रहे हैं।

पीएम मोदी 17 सितंबर को नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करेंगे

■ सेमीकॉन इंडिया 2026 की थीमः 'सिलिकॉन से सिस्टम तकः इकोसिस्टम का निर्माण' ■ 52 देशों की 600 से अधिक कंपनियां और प्रतिनिधि भाग लेंगे ■ सेमीकॉन इंडिया 2026 में जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन के छह कंट्री पवेलियन होंगे

पीआईबी नई दिल्ली 16 सितंबर 2026। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर 2026 को सुबह लगभग 10 बजे नई दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। 17 से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाला तीन दिवसीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 'सिलिकॉन से सिस्टम तकः इको सिस्टम का निर्माण' थीम पर आधारित होगा। इसमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला से जुड़े वैश्विक और भारतीय कंपनियां, नीति निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान और छात्र एकत्रित होंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत में सहयोग, निवेश, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना है। समानांतर सत्रों में डिस्प्ले उद्योग में हुई प्रगति, सहयोग और संयुक्त उद्यमों को सुगम बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए छह कंट्री राउंडटेबल, महिला नेतृत्व पर एक मंच आदि शामिल होंगे।

सेमीकॉन इंडिया 2026 एक व्यापक मूल्य-श्रृंखला दृष्टिकोण अपनाएगा, जिसमें सेमीकंडक्टर सामग्री, उपकरण और चिप डिजाइन से लेकर निर्माण, उन्नत पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम तक की यात्रा प्रदर्शित की जाएगी। नया 'रेत से सिलिकॉन से सिस्टम तक' मूल्य श्रृंखला अनुभव सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में इस पूरी यात्रा को प्रस्तुत करेगा। सेमीकॉन इंडिया 2026 में 600 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी और लगभग 50,000 आगंतुकों को आकर्षित करने की उम्मीद है। इनमें 52 देशों के प्रतिनिधि, 400 से अधिक अधिकारी और 150 से अधिक वक्ता शामिल होंगे। प्रदर्शनी में जापान, दक्षिण

कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन का प्रतिनिधित्व करने वाले छह कंट्री पवेलियन, साथ ही 12 स्टेट बूथ, एक स्टार्टअप पवेलियन, इनोवेशन शोकेस, स्टूडेंट हैकाथॉन और वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन होंगे।

सिलवासा जैन समाज ने पर्युषण महापर्व के समापन पर निकाली वरघोड़ा यात्रा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 16 सितंबर। पर्युषण महापर्व के समापन के अवसर पर सिलवासा जैन समाज द्वारा श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ वरघोड़ा यात्रा निकाली गई। यात्रा में जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धार्मिक वातावरण के बीच निकली इस यात्रा में समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के सिद्धांतों एवं अहिंसा, सत्य, संयम और क्षमा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। पर्युषण महापर्व जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक पर्व है, जिसमें आत्मचिंतन, तप, संयम और धार्मिक साधना को विशेष महत्व दिया जाता है। पर्व के समापन पर आयोजित वरघोड़ा यात्रा ने सिलवासा में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर जैन समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं को पर्युषण महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए क्षमा, करुणा, अहिंसा और आपसी सद्भाव को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। यात्रा के दौरान समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

हर मरीज की बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सुरक्षा तक पहुंच

(विश्व रोगी सुरक्षा दिवस विशेष 17 सितंबर 2026)

अभी हाल ही में समाचारपत्रों में एक खबर पढ़ी थी, कोटा राजस्थान की 15 वर्षीय तन्वी परियानी नामक लड़की गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थी, वर्ष 2014 से 13 साल तक एम्स दिल्ली में ऑपरेशन की राह देखते-देखते 1 सितंबर को उसका देहांत हो गया, इन 13 सालों में तन्वी के परिवार के लाखों रूपये खर्च हुए, ऑपरेशन की नई तारीखे मिलती रही, लेकिन ऑपरेशन नहीं हुआ। तन्वी के पिता ने अस्पताल पर दोष लगाया और कहा कि, गरीब हूँ, लेकिन बेटी के मौत के बाद भी न्याय के लिए लड़ता रहूँगा। तन्वी के मौत के बाद एम्स ने इलाज और मौत के मामले की समीक्षा के लिए जाँच समिति गठित की हैं। भारत देश गांवों में बसता है, क्योंकि बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है, लेकिन रोजाना ग्रामीण क्षेत्र में होनेवाली अनेक हृदय विदारक घटनायें इंसानियत को शर्मसार कर देते हैं। मध्यप्रदेश के बालाघाट के आदिवासी क्षेत्र के 30 से ज्यादा बच्चों के मौत की खबरों ने विचलित कर दिया, ऐसी दुखद घटनायें स्वास्थ्य सुविधा सुरक्षा पर सीधे सवाल खड़े करती हैं। अभी हाल ही में तेलंगाना के कोलमगुडा ग्रामीण भाग में सात महीने की गर्भवती महिला गंभीर रूप से बीमार पड़ गई, खराब सड़क और कोई सुविधा न होने के कारण गांव के लोगों ने उफनती हुयी नदी पार करके कामचलाऊ स्ट्रेचर बनाकर उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया। यह केवल एक घटना नहीं है, रोजाना ऐसी अनेक घटनाएं गांवों में घटित होती है, बहुत से भागों में सड़कें तक नहीं होती, कि स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंच सकें। वक्त पर उपचार न मिलने के कारण हर साल बड़ी संख्या में लोग जान गवाते हैं। ग्रामीण भागों के स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी तो अक्सर बनी ही रहती है, अत्याधुनिक सेवा-सुविधा तो जैसे सपना ही हैं। हर साल 17 सितंबर को दुनियाभर में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा मिलें, इसलिए विश्व रोगी सुरक्षा दिवस मनाया जाता हैं। इस साल 2026 की थीम ₹गैर-संचारी रोगों के लिए सुरक्षित देखभाल₹ है एवम इसका आधिकारिक नारा ₹जीवन के लिए सुरक्षित देखभाल₹ यह हैं। भारत देश में मरीज सुरक्षा के सामने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे पर अत्यधिक बोझ, कर्मचारियों की भारी कमी, अत्याधुनिक संसाधनों की कमी और रोगी-सेवा प्रदाता के बीच उच्च अनुपात जैसी बड़ी चुनौतियां हैं। हमारे देश में जनसंख्या के मुकाबले स्वास्थ्य चिकित्सकों की भारी कमी है, भले ही महानगरों और शहरों में पांच सितारा होटल जैसे नवनवीन निजी अस्पताओं का शुभारंभ हो रहा है, सरकार की ओर से भी चिकित्सा सेवा को मजबूत बनाने में जोर दिया जा रहा है, फिर भी अत्यधिक बढ़ती बीमारियां देश की आबादी पर तेजी से शिकंजा कस रही है, इसमें गरीब और मध्यम वर्ग विशेषत ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को संघर्ष करना पड़ता हैं। एम्बुलेंस के लिए पैसे न होने के कारण अपनों के लाशों को कंधे पर ढोते परिजन को हमने बहुत बार देखा हैं। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में हुई कुल मौतों में से लगभग आधी मौतें किसी प्रशिक्षित व्यावसायिक की मेडिकल देखरेख के बिना हुईं। 2024 में ऐसी मौतों का हिस्सा 45.5 प्रतिशत था, जो 2020 में दर्ज 18 फीसदी से दोगुने से भी ज़्यादा है और 2021 से यह कुल मौतों के लगभग आधे के बराबर बना हुआ हैं। इस श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिन्हें मृत्यु के समय कोई चिकित्सा सहायता नहीं मिली, या जिनकी देखभाल केवल एक अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा की गई थी। 2024 में, प्रशिक्षित चिकित्सा देखभाल के बिना होने वाली मौतों का अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों में काफी अधिक, 48.9 प्रतिशत, शहरी क्षेत्रों में, 36.1 फीसदी था।

लेखक :- डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल/व्हॉट्सएप्प
क्र.08237417041
ईमेलः- prit00786@gmail.com

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, स्वास्थ्य देखभाल के दौरान हर 10 में से लगभग 1 मरीज़ को नुकसान पहुँचता है और असुरक्षित देखभाल के कारण हर साल 30 लाख से ज़्यादा मौतें होती हैं। कम और मध्यम आय वाले देशों में, असुरक्षित देखभाल के कारण हर 100 में से 4 लोगों की मौत हो जाती हैं। 50 फीसदी से ज़्यादा नुकसान को रोका जा सकता है, इस नुकसान का आधा हिस्सा दवाओं से जुड़ी समस्याओं के कारण होता हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार, प्राइमरी और एम्बुलेटरी सेटिंग्स में हर 10 में से 4 मरीज़ों को नुकसान पहुँचता है, जबकि इस नुकसान में से 80 फीसदी तक को रोका जा सकता हैं। जैसे :- दवा से जुड़ी गलतियाँ, असुरक्षित सर्जिकल प्रक्रियाएँ, हेल्थ केयर से जुड़े संक्रमण, जाँच या डायग्नोसिस में गलतियाँ, मरीज़ का गिरना, प्रेशर अल्सर, मरीज़ की गलत पहचान, असुरक्षित ब्लड ट्रांसफ्यूजन और वीनस थ्रोम्बोएम्बोलिज्म। मरीज़ को होने वाले नुकसान से ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ में कमी आ सकती हैं। ग्लोबल स्तर पर, इस नुकसान की अप्रत्यक्ष लागत हर साल खरबों अमेरिकी डॉलर होती हैं। हेल्थवॉइस - मेडिसर्कल मीडिया वेंचर जर्नल में प्रकाशित रिसर्च कहती है कि, दुनिया के सबसे बड़े और सबसे जटिल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में से एक होने के नाते, भारत पर इस बोझ का एक बड़ा हिस्सा हैं। 18वीं सालाना मेडलीगल रिव्यू के अनुसार, अकेले 2025 में भारत में मेडिकल लापरवाही के 65,000 मामले दर्ज किए गए। ऐसे मामलों से सामने आए जोखिम एक बड़ी वैश्विक समस्या को दर्शाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि, असुरक्षित मेडिकल देखभाल के कारण हर साल अनुमानित 138 मिलियन मरीज़ों को नुकसान पहुँचता हैं। आजकल हर क्षेत्र में नकली उत्पाद की भरमार है, दवा बाजार भी इससे अछूता नहीं। नकली दवाओं का साम्राज्य तेजी से फलफूल रहा हैं। नकली दवाओं के नेटवर्क और उत्पादन में तेज़ी से हो रही बढ़ोतरी के कारण, नकली दवाओं को रोकने वाली पैकेजिंग का ग्लोबल मार्केट 2026 में 129 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में नकली दवाओं का जखीरा मिलने की वारदातें भी हो चुकी हैं। कुछ समय पहले ही सरकारी नागपुर मेडिकल महाविद्यालय व अस्पताल में यह पुष्टि हुई थी। एक दौर था, जब चिकित्सक हाथों की नब्ज, आंखे, जबान देखकर ही बीमारियों का पता लगाते थे, शायद ही कभी टेस्ट करते थे। लेकिन आज चिकित्सालय में जाने पर अधिकतर बार पहले टेस्ट लिखकर दिया जाता है, फिर रिपोर्ट आने पर इलाज होता हैं। बहुत बार तो टेस्ट कहा करना और दवा कहा से लेना है यह भी तय होता हैं। चिकित्सक सरकारी अस्पतालों में सेवा देने के बजाय निजी अस्पतालों में कार्य को प्राथमिकता देते हैं। अधिकतर पाश्चिमात्य और विकसित देशों में चिकित्सक को कड़े कानून के तहत पूरी ईमानदारी और कौशल से स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने पड़ते है, मरीज के इलाज के दौरान थोडीसी भी गलती या लापरवाही पर चिकित्सक को जिम्मेदार ठहराते हुए उनका लाइसेंस जप्त किया जाता है और सजा दी जाती हैं। लेकिन हमारे देश में इलाज के दौरान होनेवाली लापरवाही पर ऐसी जवाबदेही तय नहीं है जो पारदर्शकता दर्शाये। बाकी क्षेत्रों की तरह ही स्वास्थ्य क्षेत्र में भी धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, जालसाजी और अनैतिकता की घटनाओं के बारे में खबरें देखने-सुनने को मिलती हैं। सोशल मीडिया के दौर में तो आये दिन इस क्षेत्र के वीडियो वायरल होते हैं। लेकिन दुनिया में केवल यही एक ऐसा क्षेत्र है, जहां चिकित्सक को अमूल्य जान बचानेवाले भगवान का दर्जा दिया जाता हैं। हर मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा बेहद सहज ढंग से मिलनी चाहिए। केवल पैसों की कमी की वजह से किसी भी मासूम को जान गवाना ना पड़े। ग्रामीण, दूर-दराज, पिछड़े इलाकों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं की पकड़ मजबूत होनी चाहिए। सबको स्वास्थ्य सुविधा का अधिकार है, तो हर एक तक उसकी पहुंच भी होनी चाहिए।

रैपिडो पर लगाया गया 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली(ईएमएस)। कंज्यूमर अथॉरिटी सीसीपीए ने रैपिडो पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अथॉरिटी ने देश भर के कैब और बाइक-टैक्सी सेक्टर की जांच की थी। इस दौरान पाया गया कि रैपिडो एप राइड बुकिंग के समय गलत तरीके अपना रहा था। कंपनी ग्राहकों से प्री-राइड टिपिंग यानी राइड शुरू होने से पहले टिप मांग रही थी। इसके अलावा डायनामिक प्राइसिंग से जुड़ी गड़बड़ियां भी मिलीं। कंपनी एप के डिजाइन से ऐसा माहौल बनाती थी, जिससे ग्राहक पर ज्यादा पैसे देने का दबाव बनता था। ग्राहक जब एप पर राइड बुक करता था, तो एप पहले एक तय किराया दिखाता था। बुकिंग प्रोसेस शुरू होते ही अलग-अलग मैसेज आने लगते थे। एप पर लिखा आता था- जितना ज्यादा किराया देंगे, राइड मिलने का चांस उतना ज्यादा होगा।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव का केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन
युवा मामले एवं खेल विभाग, डीएनएच एवं डीडी
सूचना
खेलो इंडिया बीच गेम्स 2027 के तीसरे संस्करण के लिए कैटरिंग सेवा प्रदाता की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव का अनुरोध।
आरएफपी नंबर.: DMN/SPORTS/KIBG-CSP/2026-27/285 तारीख: 16/09/2026
निविदा संदर्भ नंबर.: SPRTS/KIBG-CSP/2026-27/285 तारीख: 16/09/2026
निविदा आईडी: 2026_DAMAN_4965_1
विवरण के लिए कृपया स्कैन करें http://ddd.gov.in
बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 06/10/2026, 06:00 PM तक
निदेशक-सह-संयुक्त सचिव (युवा मामले एवं खेल विभाग), डीएनएच एवं डीडी
NO. ID/DMN/2/5/2026-27/494 DTD:16/09/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
नमो पथ सी-फ्रंट, देवका, नानी दमन में एडवेंचर एक्टिविटी का डिज़ाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव। (E-11753)
टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4957_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 18/09/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 18/09/2026
बोली खुलने की तिथि : 18/09/2026
For details please scan https://ddtenders.gov.in
कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,
NO. ID/DMN/2/5/2026-27/496 DTD:16/09/2026

U.T ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
दमण नगर पालिका – दमण
नीलामी सूचना
दमण जिले की सभी आम जनता को सूचित किया जाता है कि धार रास्ता नानी दमण एवं लोक निर्माण विभाग कार्यालय मोटी दमण के निकट स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकानों को किराए पर लेने के लिये नीलामी 16/09/2026 से 16/10/2026 तक ऑनलाइन पोर्टल यानी https://sampark.dmcdaman.in/#/auction/login माध्यम से योजित की जाएगी। आवश्यक दस्तावेजों को 16/09/2026 से 16/10/2026 तक डीएमसी कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करना होगा।
For details please scan https://smcdnh.in/auction/
Notice No. 2/9-7/(part)DMC/2026-27/1095
Notice date: 11/09/2026.
The Chief Officer, Daman Municipal Council, (Dr. Sanjam Singh)
NO. ID/DMN/2/5/2026-27/495 DTD:16/09/2026

Adv. for applicant: Yogesh C. Solanki
Next date: 09/10/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000621-2026
C. M. A. No. 349/2026

Mustak Ibrahim & Oth ……… Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. …….. Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 396/2001, dated: 09/11/2001.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 15/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D., COURT • DIU •

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

Adv. for applicant: Samir Salim
Next date: 09/10/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000627-2026
C. M. A. No. 355/2026

Tofiq Mahamad Yakub & Oth ……… Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. …….. Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 146/2012, dated: 09/04/2012.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 15/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D., COURT • DIU •

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस पर असली आज़ादी की नजर से संघप्रदेश थ्रीडी में उनकी 8 यादगार यात्राओं की झलकियां

श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा व सुशासन के स्वर्णिम 25 वर्ष

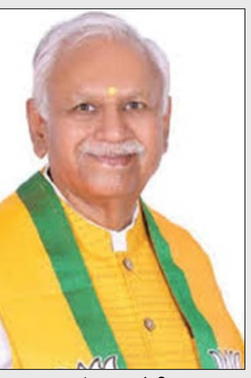

सुरेश पचौरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्वण में स्वीदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृषतिक और आध्यीात्मिक चिंतन का आधार बन रहा है। कुल मिलाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से भारत तरक्की के नये सोपान नापते हुए आगे बढ़ रहा है, साथ ही पूरी तरह सुरक्षित भी है। आज जिस बढ़ते भारत को भारतवासी देख रहे हैं, वह संकल्प से सिद्धि का सुफल है।

नये भारत के शिल्पकार श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने जनसेवा से राष्ट्रसेवा के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रू?की, बल्कि कीर्तिमान स्थाउपित करते हुये सतत जारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बमर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टोबर तक सेवा संकल्पन अभियान प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया।

गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठान, परिश्रम, त्या ग, दृढ़ इच्छोशक्ति और राष्ट्रकप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्वन के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्चम सम्माशन से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्रू, राष्ट्रेबोध एवं राष्ट्रीहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्हो्ंने किशोरावस्थाी में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंवने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जसवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मतनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है।

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नजर आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्वु के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है।

प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा ह्यआम आदमीह्ल को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वामस्य्षे और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वोस्य्् सुविधा के मद्देनजर आयुष्माचन भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्यर बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं। कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जीवन सर्वे भवन्तुर सुखिनः के भाव को चरितार्थ करते हुए राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। वे सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वानस का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। मोदी जी के नेतृत्वी वाली केन्द्रग सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा 2 अक्टूबिर 2014 को स्वपच्छत भारत अभियान की शुरूआत की गई। पिछले साढ़े 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्जूवला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ो लोग लाभान्वित हुये हैं। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के सम्मीन, युवाओं के सामर्थ्यप, किसानों की समृद्धि व महिलाओं के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण का विशेष आधार बनाया। श्री मोदी ने अपने विजन में अन्नदाता किसान को सदैव अपनी प्राथमिकता में रखा। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रुपए की सीधी सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। पीएम फसल बीमा योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) से अन्न दाता लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक ऐतिहासिक उपलब्धि सहित विस्तार हो रहा है। महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्् सरकार का लक्ष्यर तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग डेढ़ करोड़ लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मदसम्माान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्वस वाली केन्द्् सरकार ने देश में लगभग 2 लाख से अधिक आयुष्माान आरोग्यल मंदिर खोले हैं। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्विदेशी वैक्सीरन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना संकल्पव विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी के परिणाम स्वषरूप अयोध्यो में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठौ सम्पन्न? हुई। काशी में बाबा विश्वानाथ कॉरिडोर, उज्जैरन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्डड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूीर में कल्चकरल सेन्टीर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मैगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्वण में स्वीदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृषतिक और आध्यीात्मिक चिंतन का आधार बन रहा है। कुल मिलाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से भारत तरक्की के नये सोपान नापते हुए आगे बढ़ रहा है, साथ ही पूरी तरह सुरक्षित भी है। आज जिस बढ़ते भारत को भारतवासी देख रहे हैं, वह संकल्प से सिद्धि का सुफल है। यह गर्व का विषय है कि वाइब्रेंट गुजरात के विजन ने देश को निवेश का मॉडल दिया और ब्रिक्स 2026 के शिखर सम्मेलन ने भारत को विश्वगुरु के मंच पर प्रतिष्ठीापित किया। श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रशसेवा यात्रा पर विहंगम दृष्टिपात करें तो विकास से वैश्विक नेतृत्वन तक भारत के कदम आगे ही बढ़ते जा रहे हैं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

संपादकीय

भ्रष्टाचार की शपथ!

हमारे समाज में भ्रष्टाचार का वायरस व्यवस्था की रगों में किस कदर घर कर चुका है उसकी बानगी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की हरकत से उजागर हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होता दिखा, जिसमें पार्षद राउंड टेबल के चारों ओर खड़े होकर शपथ लेते नजर आए कि वे भ्रष्टाचार की कमाई के बंटवारे में ईमानदारी दिखाएंगे। इस घटना के बाद खासा बवाल मचा कि कैसे भ्रष्टाचार की कमाई के लिए भी बाकायदा सिंडिकेट रूप में काम किया जा रहा है। यह वाकया हमारे समाज में व्यवस्था की सड़न को तो दशार्ता ही है, साथ ही भ्रष्टाचारियों के दुस्साहस को भी सामने लाता है। यह घटना हमारी लोकतंत्र की छोटी इकाई में चुने गए नुमाइंदों के चरित्र, सोच और इरादों को तो दशार्ती है, समाज में जीवन मूल्यों के पराभव के बिंब भी उकेरती है। समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे-छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जाति, धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती है, लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गया, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था। आज हमारी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सैकड़ों करोड़पति-अरबपति जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति समाज में आर्थिक विषमता की तसवीर उकेरती है। गाहे-बगाहे सामने आने वाले आंकड़े बताते हैं कि विधायक व सांसद बनने के बाद उनकी आय दिन दोगुनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है। अगले चुनाव में वे अपनी संपत्ति का जो दिखाई दे सकने वाला ब्योरा जारी करते हैं, उसमें यह समृद्धि स्पष्ट नजर आती है।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञ-ासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है।

सोशल मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा और मेटा की जवाबदेही

सुनील कुमार महला

सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रसार को लेकर केंद्र सरकार के कड़े रुख के बाद मेटा(अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी) का भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों की जानकारी देने पर सहमत होना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसे मंजिल के बजाय एक लंबी लड़ाई की शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए। आज का युग डिजिटल युग है और इस डिजिटल युग में डिजिटल दुनिया के बढ़ते खतरों से बच्चों को बचाने के लिए तकनीकी कंपनियों, सरकार और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच जवाबदेही का स्पष्ट तंत्र बनाना अब जरूरी हो गया है। दरअसल, जुलाई 2026 में सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण एवं दुरुपयोग से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले कथित विज्ञापनों की रिपोर्ट सामने आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा-फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मूल कंपनी के अधिकारियों को तलब किया तथा संबंधित विज्ञापनों और सामग्री को हटाने और यह स्पष्ट करने को कहा कि ऐसी सामग्री उसके मंच पर कैसे उपलब्ध हुई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए मेटा के अधिकारियों से जवाब मांगा और इसके वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया। इस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता इसलिए और बढ़ जाती है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) ने आपत्तिजनक सामग्री तैयार करना पहले की तुलना में आसान बना दिया है। सरल शब्दों में कहें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल ने जहां रचनात्मकता और तकनीकी क्षमताओं को नई ऊंचाई दी है, वहीं इसके दुरुपयोग से आपत्तिजनक और भ्रामक सामग्री तैयार करना भी पहले की तुलना में आसान हो गया है। वास्तव में, तकनीक का यह दुरुपयोग केवल सामग्री के प्रसार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बच्चों को निशाना बनाने वाले नए तौर-तरीकों का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल ऐसी सामग्री को हटाने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। वास्तव में, उन्हें ऐसी सामग्री तैयार करने, प्रसारित करने या उसके लिए उपयोगकताओं को आकर्षित करने वाले खातों और नेटवर्क की पहचान करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को समय रहते आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी।

भारत सरकार ने इस मामले में स्पष्ट किया है कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया मंचों को भारतीय कानूनों और नियामकीय व्यवस्था का पालन करना होगा। सरकार और मेटा के बीच हुई चचाओं में बाल यौन शोषण सामग्री चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल-सीएसएएम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) से निर्मित आपत्तिजनक सामग्री, डीपफेक, सामग्री की निगरानी, एल्गोरिदम और मानवीय निगरानी जैसे मुद्दे प्रमुख रहे हैं। गौरतलब है कि 2026 में लागू और संशोधित नियामकीय व्यवस्था के तहत सोशल मीडिया मध्यस्थों पर अवैध और हानिकारक सामग्री के विरुद्ध अधिक कठोर दायित्व निर्धारित किए गए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार या सक्षम न्यायालय के निर्देश पर ऐसी सामग्री को हटाने की समय-सीमा भी घटाकर तीन घंटे की गई है। इतना ही नहीं, गैर-सहमति वाली निजी अथवा अंतरंग सामग्री के संबंध में भी कठोर समय-सीमा निर्धारित की गई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ?

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025-26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम ह्लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणह्व रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के ह्लनई दिल्ली घोषणापत्रह्व को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए।

भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चैन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चैन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए ह्लब्रिक्स कनेक्टह्व के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से इफक्च्ठर टरटए पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेट्वर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं और अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ साथ, अलग अलग देशों के ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आपस में जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। इससे एक देश के नागरिकों को दूसरे देश के नागरिकों को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी।

ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है। सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी-20, जी-7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आंज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं। विभिन्न देशों के नागरिक आज सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपनाने हेतु लालायित हैं क्योंकि इस संदर्भ में भारत के व्यवहार से ये देश अत्यधिक प्रभावित हैं। साथ ही, भारत को कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी होने जा रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की सम्भावना बनी है। ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों के बीच आपसी समझदारी बढ़ी है और इससे इन देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश गया है कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में रूस एवं चीन सहित समस्त ब्रिक्स सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी की है। इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्यवाही करनी चाहिए। साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग को रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए। भारत आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है। इस क्षेत्र के देश भारत पर भरोसा करने लगे हैं। इससे भारतीय रुपए की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ सकती है क्योंकि ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूपीआई एवं रूपे कार्ड की स्वीकार्यता कई देशों में अब बढ़ रही है। आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने से भारतीय रुपए को मजबूती मिलेगी एवं इससे मंहगाई बढ़ने की गति कम होगी। ब्रिक्स ने वर्ष 2015 में डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना की थी। इस बैंक ने भारत को 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रदान किया है।

संक्षिप्त समाचार

आतंकियों के ठिकानों को तबाह करना जारी रखेगा इजरायल: नेतन्याहू

यरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि इजरायल ने हिजबुल्लाह के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है और लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने का अभियान जारी रहेगा। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेतन्याहू के हवाले से कहा, 'हमने हिजबुल्लाह के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है। हमने ब्यूफोर्ट रिज और अली अल-ताहेर रिज पर उसके प्रमुख आतंकवादी गढ़ों को नष्ट कर दिया है। हमारी नीति स्पष्ट है कि लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ढांचे को खत्म करना जारी रहेगा। इजरायल के लिए किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' नेतन्याहू ने इजरायल के दुश्मनों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्होंने अब भी सबक नहीं सीखा और दोबारा हमला करने का विकल्प चुना, तो उन्हें पहले से भी अधिक भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ काम बाकी है और ईश्वर की मदद से उसे भी पूरा किया जाएगा। इस बीच, पिछले महीने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा था कि इजरायल और लेबनान के बीच रोम में हुई ताजा वार्ता में सीमा विवाद और कैदियों की वापसी के मुद्दे पर सकारात्मक प्रगति हुई है। 7 अगस्त को हुई कैबिनेट बैठक में आउन ने बताया था कि रोम वार्ता में चार प्रमुख मुद्दों- युद्धविराम, घरों को ढहाने की कार्रवाई, सीमा और कैदियों की वापसी तथा पायलट क्षेत्रों की पहचान पर चर्चा हुई। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि इन मुद्दों पर जल्द ही व्यावहारिक कदम सामने आएंगे।

केरल की व्लॉगर अरुणिमा ने अफगानिस्तान में गिरफ्तारी का दावा किया

काबुल, एजेंसी। केरल की एक प्रसिद्ध महिला ट्रैवल व्लॉगर अरुणिमा ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें अफगानिस्तान के बामियान में 'मुजाहिदीन' ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने भारतीय दूतावास से संपर्क करने के लिए मदद मांगी। अपनी फेसबुक पेज पर उन्होंने एक पोस्ट साझा की। इसमें स्थानीय अधिकारियों के एक कथित आधिकारिक संदेश का अनुवाद था, जिसके अनुसार उन्हें मुजाहिदीन ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अपडेट में कहा, 'मैं अफगानिस्तान में परेशानी में हूं। मैं बामियान में हूं।' पीटीआई इस पोस्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं कर सका। विदेश मंत्रालय से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पोस्ट में गिरफ्तारी की परिस्थितियों या उन्हें हिरासत में लेने वालों के बारे में अधिक विवरण नहीं था।

लीबिया में फंसे 171 सोमाली प्रवासी घर लौटे

सोमाली , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) की पहल पर एक विशेष चार्टर उड़ान के माध्यम से 171 सोमाली प्रवासियों को लीबिया से वापस घर भेजा गया। लीबिया में फंसे 171 सोमाली प्रवासियों में तीन नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं। आईओएम ने बताया कि बेहतर जीवन की तलाश में प्रवासियों का ये समूह कई देशों से गुजरते हुए लीबिया पहुंचे थे। वहां मानव तस्करों के चंगुल में फंसने के बाद इन्हें शोषण, दुर्व्यवहार और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। प्रवासियों की विशेष फ्लाइट सबसे पहले उत्तरी सोमालिया के हरगेइसा में उतरी, जहां 42 प्रवासी उतरे। इसके बाद शेष यात्री राजधानी मोगादिशु पहुंचे, जहां अधिकारियों और उनके परिजनों ने उनका स्वागत किया।

भारतीयों को अब उज्बेकिस्तान में 30 दिन तक वीजा-मुक्त प्रवेश

ताशकंद, एजेंसी। उज्बेकिस्तान में भारतीय दूतावास ने यात्रा संबंधी नई जानकारी साझा करते हुए कहा कि चुनिंदा देशों के वैध मल्टीपल-एंट्री वीजा रखने वाले भारतीय नागरिक उज्बेकिस्तान में 30 दिन तक बिना उज्बेक वीजा के रह सकते हैं। इसके लिए यात्रियों के पास संबंधित देशों का वैध बिजनेस या टूरिस्ट वीजा और अपने देश या किसी तीसरे देश का कन्फर्म रिटर्न या आगे की यात्रा का हवाई टिकट होना जरूरी है। दूतावास के अनुसार, यह सुविधा ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, शेंगेन समझौते वाले देशों, ब्रिटेन और अमेरिका के वैध मल्टीपल-एंट्री वीजा धारकों को मिलेगी।

ट्रंप को चुनौती देगा कनाडा?: अमेरिका से निवेश खींचने की तैयारी में कार्नी, समिट में जुटेंगे 300 दिग्गज सीईओ

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कारखाने और निवेश दक्षिण की ओर यानी अमेरिका आएं। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को उम्मीद है कि वे अरबों डॉलर का निवेश उत्तर की ओर यानी कनाडा की तरफ ला सकते हैं।

कनाडा इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होंगे 300 सीईओ : इस हफ्ते कार्नी के 'कनाडा इन्वेस्टमेंट समिट' के लिए दुनिया की कुछ सबसे बड़ी इन्वेस्टमेंट कंपनियों के लगभग 300 सीईओ और सीनियर एग्जीक्यूटिव टोरंटो के यॉर्कविले इलाके में मौजूद 'फोर सीजन्स' होटल में इकट्ठा हो रहे हैं। ये निवेशक मिलकर 120 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं। इससे उस पूंजी के बड़े पैमाने का पता चलता है जिसे कार्नी हासिल करना चाहते हैं, क्योंकि कनाडा अरबों डॉलर का नया निवेश आकर्षित करने और अमेरिका पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है।

पीएम कार्नी ने क्या कहा था? : पिछले हफ्ते अल्बर्टा के बैनफ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्नी ने कहा, 'कनाडा की पहचान सिर्फ अमेरिका के पड़ोस में होने तक सीमित नहीं है। हमारे पास वह सब कुछ है जिसकी दुनिया को जरूरत है।' कार्नी ने कनाडा के विशाल

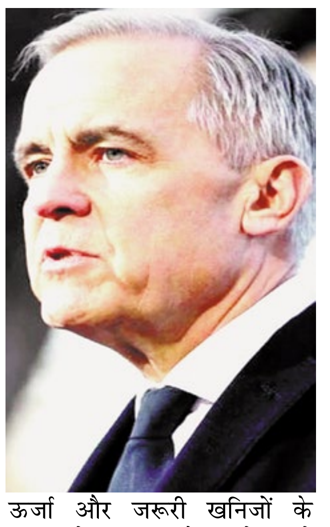

ऊर्जा और जरूरी खनिजों के संसाधनों, वहां के पढ़े-लिखे वर्कफोर्स और उन ट्रेड एग्रीमेंट्स की ओर इशारा किया, जिनकी वजह से कनाडा में मौजूद कंपनियों को दुनिया भर में लगभग 1.5 अरब ग्राहकों तक पहुंच मिलती है। कनाडा को भरोसा है कि वह ट्रंप का सामना कर सकता है और अपने निवेश के स्रोतों में विविधता ला सकता है। लेकिन यह शिखर सम्मेलन कनाडा के लिए एक नाजुक समय पर हो रहा है। व्यापार वार्ता 21 अगस्त को विफल हो गई, जिसके बाद ट्रंप ने लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। कनाडा ने जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद वाशिंगटन ने फिर से दबाव बढ़ाते हुए कुछ कनाडाई आयात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की और बड़े, दीर्घकालिक अमेरिकी सरकारी अनुबंधों से कनाडाई उत्पादों को बाहर करने की दिशा में कदम उठाए।

ट्रंप के टैरिफ और मैन्युफैक्चरिंग को बॉर्डर के दक्षिण में ले जाने की कोशिशें उस चीज को कमजोर कर रही हैं, जो लंबे समय से विदेशी निवेशकों के लिए देश के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक थी। कॉन्टिनेंटल फ्री ट्रेड के तहत विशाल अमेरिकी बाजार तक भरोसेमंद पहुंच।

वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने क्या कहा : जब पूछा गया कि क्या कनाडा ट्रंप के साथ ट्रेड डील के बिना लंबे समय तक टिक सकता है, तो वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि ओटावा प्रभावित व्यवसायों और कर्मचारियों की मदद करने के लिए तैयार है। शैम्पेन ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया, 'हमारे पास अपने उद्योगों और कर्मचारियों की मदद करने के लिए जरूरी संसाधन हैं - चाहे कितना भी समय लगे या जो कुछ भी करना पड़े।' सरकार ने सोमवार को यह भी कहा कि वह 1 अरब अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक के निवेश के लिए कर संबंधी निर्णयों को प्राथमिकता देगी, जिससे बड़े निवेशकों को पूंजी लगाने से पहले अधिक निश्चितता मिलेगी।

कनाडा पर दांव लगाने पर कार्नी ने क्या कहा: कार्नी वैश्विक निवेशकों से व्यापार युद्ध को नजरअंदाज करते हुए कनाडा पर दांव लगाने का आग्रह कर रहे हैं। साथ ही ट्रंप के नेतृत्व में तेजी से अप्रत्याशित होते जा रहे संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कनाडा के कानून के शासन और विश्वसनीयता की तुलना स्पष्ट रूप से कर रहे हैं। कार्नी ने कहा, 'निवेशकों को एक ऐसा देश मिलेगा जो कानून के शासन का सम्मान करता है और एक ऐसा देश जो भरोसेमंद है। दुनिया में ऐसा संयोजन बहुत कम देखने को मिलता है। यह एक आकर्षक संयोजन है।'

इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक पूंजी को महत्वपूर्ण खनिजों, प्रौद्योगिकी, रक्षा, उन्नत विनिर्माण और ऊर्जा के क्षेत्र में प्रमुख परियोजनाओं के साथ जोड़ना है। सोमवार को एक बड़े निवेश की घोषणा की गई। बेल कनाडा ने कहा कि वह सस्केचेवान में पहले से निर्माणाधीन एआई डेटा-सेंटर परियोजना को चार गुना बढ़ाएगी, जिससे 1.2 गीगावाट की सुविधा का मार्ग प्रशस्त होगा और कुल अनुमानित पूंजी निवेश 50 अरब कनाडाई डॉलर (36 अरब अमेरिकी डॉलर) से अधिक हो जाएगा।

2028 में यूएस प्रेसिडेंट इलेक्शन, अभी से ही सुगबुगाहट तेज

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के होने वाले चुनाव में अभी देरी है। लेकिन इसपर अभी से चर्चा शुरू हो गई। आयरलैंड के शैनन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मीडिया ने उम्मीदवारी को लेकर सवाल पूछा। उनसे पूछा गया कि क्या वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का समर्थन करेंगे, तो उन्होंने सावधानी भरे अंदाज में कहा कि अभी इसके बारे में कुछ भी कहना बहुत जल्दबाजी होगी। यह बातचीत तब हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति आयरलैंड के शैनन में एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे।

बहुत सारे काबिल लोगों की टीम है : मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, 'अभी इसके बारे में कुछ भी कहना बहुत जल्दबाजी होगी। मेरा मतलब है, अभी बहुत जल्दी है। मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया हैं। हमारे पास बहुत से बेहतरीन लोग हैं। हमारे पास, जैसा कि कहा जाता है, बहुत सारे काबिल लोगों की एक बड़ी टीम है।' जब उनसे पूछा गया कि वेंस के मुकाबले कौन सबसे मजबूत दावेदार हो सकता है, तो ट्रंप ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि वे सभी बहुत अच्छे हैं, और जेडी तो शानदार हैं; उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है।

2028 में चुनाव, 2026 में चर्चा : अगस्त, 2026 में एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि ओवल ऑफिस में एक बैठक के

दौरान, ट्रंप ने अपने उपराष्ट्रपति की संभावित उम्मीदवारी पर बात की थी। उन्होंने बैठक में मौजूद लोगों से कहा था, 'आखिरकार, हमें जेडी को ही चुनना है।' रिपोर्ट में कहा गया कि था कि हालांकि उन निजी टिप्पणियों से संकेत मिला था कि वे भविष्य में वेंस का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन सलाहकारों ने इशारा किया था कि राष्ट्रपति ने अभी तक अपने उत्तराधिकारी के बारे में कोई पक्का फैसला नहीं किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप कर रहे थे तुलना : रिपोर्ट में कहा गया कि यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच तुलना कर रहे थे। उस दौरान हुई अंदरूनी चर्चाओं से पता चला कि ट्रंप अक्सर अपने सहयोगियों से दोनों की तुलना करने वाले सवाल पूछते रहते थे, यहां तक कि 'मरीन वन' में यात्रा के दौरान भी वे अनौपचारिक रूप से स्टाफ की राय लेते थे। हालांकि अगस्त में एक प्रमुख सलाहकार ने बताया था कि ट्रंप ने निजी तौर पर यह मान लिया है कि वेंस ही MAGA आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे।

सऊदी अरब में 11 करोड़ टन यूरेनियम वाला खनिज मिला:मदीना में रेयर अर्थ मिनरल्स भी मिले

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के मदीना इलाके में करीब 11 करोड़ टन यूरेनियम वाला खनिज मिला है। यहां यूरेनियम के साथ रेयर अर्थ मिनरल्स भी पाए गए हैं। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान ने वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह खोज मदीना के जबल सैयद प्रोजेक्ट में हुई है। यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु ऊर्जा और हथियार बनाने में होता है। सऊदी अरब पहले से ही परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

तेल से परमाणु ऊर्जा की तरफ बढ़ रहा सऊदी : सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था लंबे समय से तेल पर निर्भर रही है। अब वह तेल के साथ परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा जैसे दूसरे स्रोतों को भी बढ़ावा दे रहा है। सऊदी परमाणु बिजलीघर लगाने और देश में मिले यूरेनियम का इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रहा है। ऐसे में मदीना में यूरेनियम वाला खनिज मिलना उसके लिए अहम हो सकता है। अगर आगे की जांच में यहां से यूरेनियम निकालना फायदेमंद साबित हुआ, तो सऊदी परमाणु ऊर्जा के लिए अपनी जरूरत का कुछ हिस्सा देश में ही पूरा कर सकेगा। इससे दूसरे देशों से यूरेनियम खरीदने पर उसकी निर्भरता घट सकती है। हालांकि, खनिज मिलने के बाद सीधे परमाणु ईंधन तैयार नहीं होता। पहले यूरेनियम को निकालना और फिर उसे इस्तेमाल लायक बनाना पड़ता है। मदीना में मिले खनिज में भारी रेयर अर्थ मटेरियल भी पाए गए हैं।

इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन चक्कियों, रोबोट, ड्रोन और आधुनिक रक्षा उपकरणों में लगने वाले शक्तिशाली चुंबक बनाने में होता है। इन खनिजों की खनन और प्रोसेसिंग पर चीन का बड़ा दबदबा है। चीन इन खनिजों को निकालने के साथ उन्हें इस्तेमाल लायक बनाने और चुंबक बनाने में भी दुनिया में सबसे आगे है। ऐसे में सऊदी में इन संसाधनों की खोज अहम है। अगर सऊदी आगे चलकर इनका खनन और प्रोसेसिंग शुरू करता है, तो वह चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे देशों के लिए एक नया स्रोत बन सकता है।

ट्रंप को बड़ा झटका: मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति का बैन निरस्त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मेल मतपत्र प्रतिबंधों को फिलहाल खारिज कर दिया। इस निर्णय से राज्यों को अपनी पुरानी मेल मतपत्र प्रक्रियाओं को जारी रखने की अनुमति मिल गई है। यह फैसला मध्यावधि चुनावों में मतदान शुरू होने के बीच आया है। ट्रंप प्रशासन कांग्रेस पर नियंत्रण के लिए नवंबर के चुनावों से पहले इन प्रतिबंधों को लागू करना चाहता था।

डाक मतपत्र के मामले में जजों की राय क्या : जस्टिस सैमुअल एलिटो और जस्टिस क्लेरेंस थॉमस ने इस संक्षिप्त आदेश का विरोध किया। जस्टिस ब्रेट कवानुघ ने प्रतिबंधों को मध्यावधि चुनावों के लिए लागू न करने पर सहमति जताई। हालांकि, उन्होंने बाद में ट्रंप प्रशासन के पक्ष में फैसला सुनाने का संकेत दिया। यह मामला महत्वपूर्ण है क्योंकि देश का लगभग एक तिहाई हिस्सा मेल द्वारा मतदान करता है।

2020 में मिली हार का कारण डाक मतपत्र को मानते हैं ट्रंप

चुनाव अधिकारियों ने कहा कि मध्यावधि चुनावों से पहले पूर्ण बदलाव करना संभव नहीं था। अलाबामा, उत्तरी कैरोलिना और विस्कॉन्सिन ने पिछले सप्ताह ही मतदाताओं को मेल मतपत्र भेजना शुरू कर दिया था। उस समय भी नई प्रणाली सक्रिय नहीं थी। ट्रंप ने लंबे समय से मेल मतदान का विरोध किया है। उन्होंने 2020 के चुनाव में जो बाइडेन से अपनी हार के लिए इसे गलत तरीके से दोषी ठहराया था। हालांकि, वह खुद अक्सर इसी तरीके से मतदान करते रहे हैं, जिसमें इस साल भी शामिल है।

ट्रंप प्रशासन की क्या थी योजना : ट्रंप प्रशासन की योजना में राज्यों को एक समान लिफाफा शैली अपनानी थी। उन्हें योग्य मतदाताओं की सूची एक ऑनलाइन माध्यम पर जमा करनी होती। पोस्टल सर्विस उन राज्यों को मतपत्र देने से मना कर सकती थी जो नियमों का पालन नहीं करते। एक व्हिसलब्लोअर रिपोर्ट ने इस प्रणाली पर चिंता जताई थी। रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन माध्यम ठीक से नहीं बना था। एक बार कोड त्रुटि से लाखों मेल मतपत्रों का पूरा समूह रद्द हो सकता था।

प्रतिबंधों को क्यों चुनौती दी गई : डेमोक्रेटिक राज्य अधिकारियों और मतदान अधिकार समूहों ने इन प्रतिबंधों को अदालत में चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रपति के पास चुनाव नियम तय करने का सांविधानिक अधिकार नहीं है। उनके अनुसार, ये नियम एक बड़े चुनाव की पूर्व संध्या पर मेल मतदान को लगभग समाप्त कर देंगे। निचली अदालतों ने ट्रंप की योजना को अवरुद्ध कर दिया था। इसमें राष्ट्रपति द्वारा नामित एक न्यायाधीश द्वारा जारी किया गया प्रारंभिक निषेधाज्ञा भी शामिल था।

सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ : ट्रंप प्रशासन ने निचली अदालतों के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। प्रशासन ने तर्क दिया कि पोस्टल सर्विस पर संघीय नियंत्रण उन्हें मेल मतपत्रों के लिए नियम तय करने की अनुमति देता है। उन्होंने यह भी कहा कि नियमों का पालन करना संभव था। संघीय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक प्रारंभिक प्रक्रियात्मक निर्णय जीता था। हालांकि, जस्टिस ने योजना की वैधता पर स्पष्ट रूप से कोई फैसला नहीं सुनाया था।

विदेश में भारतीय मिशनों ने साहित्यिक सभाओं और कविता पाठ के साथ हिंदी दिवस मनाया

सियोल, एजेंसी। दुनिया भर में भारतीय मिशनों ने सोमवार को हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर साहित्यिक सभाओं और कार्यक्रमों की मेजबानी की। ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने हिंदी भाषा का जश्न मनाने वाला एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें आवास, शहरी मामलों और विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर, ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इंटरनेशनल हिंदी एसोसिएशन-ह्यूस्टन चैप्टर के सहयोग से हिंदी भाषा की समृद्धि, समावेशिता और जीवंतता का जश्न मनाते हुए एक सुंदर साहित्यिक मिलन की मेजबानी की।' उन्होंने आगे कहा, 'इस कार्यक्रम में मंत्री मनोहर लाल ने भाग लिया, जिनकी उपस्थिति और प्रेरणादायक शब्दों ने पूरे क्षेत्र में हिंदी प्रेमी समुदाय को उत्साहित और प्रेरित किया। ह्यूस्टन में महावाणिज्य दूतावास उन सभी हिंदी प्रेमियों, स्वयंसेवकों और साझेदार संगठनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिनके समर्पण ने इस उत्सव को वास्तव में विशेष बना दिया।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय दूतावास ने सोमवार को अबू धाबी में भारतीय स्कूलों के सहयोग से हिंदी दिवस मनाया, जिसमें कविता पाठ और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। यूएई में भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'दूतावास ने अबू धाबी और अल ऐन में भारतीय स्कूलों के सहयोग से 'हिंदी दिवस 2026' मनाया। इस कार्यक्रम में कविता पाठ, निबंध प्रतियोगिताएं और 'हिंदी क्विज' शामिल थे। शिक्षकों और छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिससे हिंदी की सुंदरता और रचनात्मकता का जश्न मनाया गया।'

बहरीन में भारतीय दूतावास ने भी कविता पाठ, नाटक, नृत्य प्रदर्शन और हिंदी क्विज में भागीदारी के माध्यम से हिंदी दिवस मनाया। दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'बहरीन में भारतीय दूतावास में हिंदी दिवस मनाया गया, जिसमें दूतावास परिवार ने कविता पाठ, नाटक, नृत्य प्रदर्शन और हिंदी क्विज में भागीदारी के माध्यम से हिंदी की समृद्धि और प्रासंगिकता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए, भाषा के स्थायी महत्व को उजागर किया। महामहिम राजदूत ने हिंदी में अपना संबोधन दिया और कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सम्मानित किया, हिंदी और इसकी समृद्ध भाषाई विरासत के उत्सव और प्रचार को प्रोत्साहित किया।' दूतावास ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को भी बढ़ावा दिया गया, जिसमें ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत के नेतृत्व और प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में बदलाव की आहट, बांग्लादेश के मंत्री हुमायूं कबीर बोले- भारत संग नए अध्याय की जरूरत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने भारत के साथ अपने संबंधों को नए सिरे से आगे बढ़ाने की इच्छा जताई है। विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका अब पुराने आकर्षण से आगे बढ़कर भारत के साथ सीधे द्विपक्षीय संवाद के जरिए नया रिश्ता बनाना चाहता है।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री ने भारत के साथ रिश्तों को लेकर अपनी सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल का दौर दोनों देशों के लिए असहज रहा है और अब संबंधों को नए आधार पर आगे बढ़ाने की जरूरत है।

भारत के साथ नए रिश्ते पर ढाका का जोर : विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान हुमायूं कबीर ने कहा कि बांग्लादेश भारत को एक पड़ोसी और अन्य देशों की तरह एक देश के रूप में देखता है। उनका कहना था कि अब ढाका भारत के साथ पुराने आकर्षण से आगे बढ़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ ऐसा नया रिश्ता बनाना चाहता है, जो सीधे द्विपक्षीय चर्चाओं और आपसी समझ पर आधारित हो। उनके मुताबिक, दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर सीधी बातचीत ही संबंधों को आगे ले जाने का बेहतर रास्ता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुमायूं कबीर ने भारत के प्रति बांग्लादेश के पुराने रुख को लेकर तीखी टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा कि भारत में नाश्ता, भारत में दोपहर का खाना और भारत में रात का खाना

हो रहा है, तो फिर अपना खाना कब खाएंगे? उन्होंने इस टिप्पणी के जरिए यह संकेत दिया कि बांग्लादेश को अपनी विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देना चाहिए। उनका जोर इस बात पर रहा कि ढाका को अपनी जरूरतों के अनुसार स्वतंत्र रूप से नीतियां तय करनी चाहिए।

बहुपक्षीय मंच नहीं, सीधी बातचीत पर जोर : हुमायूं कबीर ने कहा कि जिस देश के साथ बांग्लादेश बेहतर संबंध बनाना चाहता है, उसके साथ शुरुआती गंभीर बातचीत द्विपक्षीय यात्रा और सीधे संवाद के माध्यम से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान किनारे पर होने वाली मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों की पहली बड़ी शुरुआत नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह टिप्पणी विशेष रूप से भारत के संदर्भ में है।

सीमा विवादों को राजनयिक तरीके से सुलझाने की बात : भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाल की घटनाओं को लेकर पूछे गए सवालों पर हुमायूं कबीर ने कहा कि सरकार इन संवेदनशील मुद्दों को राजनयिक माध्यमों से उठाएगी।

होर्मुज के बाद सऊदी ने भी बंद की तेल की पाइपलाइन

रियाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट जारी संघर्ष का असर अब वैश्विक तेल बाजार पर बढ़ता दिख रहा है। सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट ऑयल पाइपलाइन को ड्रोन हमले से हुए नुकसान के बाद अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया गया है। सऊदी अरब की यह पाइपलाइन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक रास्ता मानी जाती थी। इस पाइपलाइन के बंद होने से दुनिया की तेल सप्लाई को लेकर टेंशन बढ़ गई है।

मीडिया एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, अगर पाइपलाइन जल्द शुरू नहीं होती है तो वैश्विक तेल सप्लाई का करीब 4 फीसदी हिस्सा इससे प्रभावित हो सकता है। सऊदी अरब की यह पाइपलाइन लगभग 1,200 किलोमीटर लंबी है। यह अरब प्रायद्वीप को पार करते हुए कच्चे तेल को लाल सागर के पास यानबू पोर्ट तक पहुंचाती है।

दुनिया की 4 से 5 फीसदी तेल सप्लाई : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने के बाद इस पाइपलाइन से करीब 40 से 50 लाख बैरल तेल रोजाना भेजा जा रहा था, जो दुनिया भर की कुल तेल सप्लाई का करीब 4 से 5 फीसदी हिस्सा है। यह रूट इसलिए भी जरूरी हो जाता है क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव के कारण टैंकरों की आवाजाही लगभग ना के बराबर है। ऐसे में सऊदी अरब की यह पाइपलाइन एक अहम विकल्प बन गई थी।

यानबू में सिर्फ 5 से 7 दिन का स्टॉक : पाइपलाइन बंद होने के बाद अब यानबू में रखे तेल के भंडार पर अतिरिक्त दबाव बन गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा स्टॉक के सहारे सऊदी अरब लगभग 5 से 7 दिन तक अपना निर्यात जारी रख सकता है। मिस्र के ऐन सुखना और सिदी केरीर बंदरगाहों पर मौजूद सऊदी अरब के अतिरिक्त भंडार से कुछ और समय तक मदद मिल सकती है, लेकिन यह स्थिति पाइपलाइन के लंबे समय तक बंद रहने की पूरी तरह भरपाई नहीं कर सकती। पाइपलाइन की मरम्मत में कितना समय लगेगा, इस पर अभी अलग-अलग आकलन सामने आ रहे हैं। कुछ का कहना है कि इसमें कई सप्ताह लग सकते हैं, हालांकि यह संभावना भी जताई जा रही है कि सीमित मात्रा में पंपिंग अपेक्षाकृत जल्द दोबारा शुरू हो सकती है।

सऊदी का तेल उत्पादन भी हुआ कम : पाइपलाइन से जुड़ा यह संकट ऐसे वक्त में सामने आया है, जब सऊदी अरब पहले से ही अपने तेल उत्पादन में बड़ी कटौती कर चुका है। रॉयटर्स के अनुसार, अगस्त में देश का कच्चे तेल का उत्पादन लगभग 62 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो फरवरी में दर्ज 1.09 करोड़ बैरल प्रतिदिन के स्तर से काफी कम है।उत्पादन में इस भारी गिरावट और निर्यात के वैकल्पिक मार्गों में आई रुकावट ने वैश्विक ऊर्जा बाजार की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। इसके चलते ओपेक+ देशों की सप्लाई बढ़ाने की योजनाओं पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। रॉयटर्स के अनुसार, 14 सितंबर को ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 107.81 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि अमेरिकी ड्ढ्ढ्रढ्ढ करीब 102.94 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था। अगर पाइपलाइन जल्द बहाल नहीं होती और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज तथा लाल सागर में भी तेल की सप्लाई बाधित रहती है।

डेलनाज ईरानी ने सालों तक क्यों ठुकराए पारसी किरदार

अभिनेत्री डेलनाज ईरानी को दर्शक लंबे समय से उनके मजेदार और यादगार किरदारों के लिए जानते हैं। छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक, उन्होंने कई ऐसे किरदार निभाए हैं जिनमें उनकी कॉमेडी और अभिनय का अलग अंदाज देखने को मिला। हालांकि, इस बार डेलनाज कुछ ऐसा लेकर आई हैं जो उनके लिए भी एक तरह की नई चुनौती है। नेटफ्लिक्स की हालिया सीरीज चुंबक में वह एक पारसी किरदार निभा रही हैं। लेकिन इस किरदार को स्वीकार करना उनके लिए इतना आसान नहीं था।

डेलनाज ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपने करियर में लंबे समय तक पारसी किरदारों से दूरी बनाए रखी। इसकी वजह पारसी समुदाय को पर्दे पर दिखाने का वह तरीका था, जिसमें अक्सर उनके बोलने के अंदाज, कपड़ों और हाव-भाव को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। ऐसे में जब उन्हें 'चुंबक' का प्रस्ताव मिला तो उन्हें पहली बार लगा कि इस किरदार को बिना किसी बनावटीपन के निभाया जा सकता है। डेलनाज ने कहा, मैंने अपने करियर में कई चर्चित कॉमेडी किरदार निभाए हैं, लेकिन चुंबक का किरदार मेरे लिए काफी अलग है। मैंने लंबे समय तक पारसी किरदार निभाने से जानबूझकर इनकार किया था। अपने पूरे करियर में मैंने सिर्फ एक पारसी किरदार निभाया था। यह किरदार साल 2004-2005 में जेडी और आतिश के शो बटलीवाला हाउस नंबर 43 में निभाया था। इसके बाद इतने सालों तक मैंने दोबारा इस तरह का किरदार नहीं किया।

डेलनाज ने कहा, जब भी मनोरंजन जगत में पारसी को दिखाया जाता है तो कई बार उसे जरूरत से ज्यादा मजाकिया और बनावटी अंदाज में पेश किया जाता है। किरदारों को एक खास तरह से बोलते हुए दिखाया जाता है, उनके पहनावे और हावभाव को भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जो हमेशा स्वाभाविक नहीं लगता। उन्होंने कहा, सीरीज चुंबक में तारापोरवाला परिवार को काफी सामान्य और सहज तरीके से दिखाया गया है। सीरीज में पांच अलग-अलग परिवारों की कहानी है और तारापोरवाला परिवार को ऐसे पारसी परिवार के रूप में दिखाया गया है, जैसे असल जिंदगी में पारसी बस्तियों में रहने वाले परिवार होते हैं। मुझे यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई। मैं लंबे समय तक किसी ऐसे किरदार का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं, जिसमें किसी कम्युनिटी को केवल हंसी-मजाक या एक खास छवि तक सीमित कर दिया जाए। मेरे लिए जरूरी था कि किरदार में इंसानी पहलू हो और दर्शक उससे जुड़ सकें।

डेलनाज ने कहा, चुंबक का किरदार मेरे लिए खुद को एक अभिनेता के तौर पर चुनौती देने का मौका था। मैंने अपने ही अंदाज में खुद से कहा कि अब आगे बढ़कर यह किरदार करके देखना चाहिए और पता लगाना चाहिए कि क्या मैं एक सामान्य पारसी किरदार को सही तरीके से निभा सकती हूं। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी अलग रहा क्योंकि मुझे अपने पुराने कॉमेडी किरदारों से हटकर एक ऐसी भूमिका में काम करने का मौका मिला, जिसमें हास्य के साथ किरदार की अपनी पहचान और परिवार का माहौल भी अहम है। बता दें कि चुंबक में डेलनाज गुलशन तारापोरवाला के किरदार में नजर आ रही हैं। गुलशन एक पारसी सास हैं, जिनका स्वभाव काफी हंसमुख, चुलबुला और मजेदार है। चुंबक में पांच परिवारों की अलग-अलग कहानियों को एक साथ पिरोया गया है। इसमें अलग-अलग तरह के रिश्ते, स्वभाव और पारिवारिक स्थितियां देखने को मिलती हैं। सीरीज का प्रीमियर 10 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

गैंगस्टर का रोल निभाना चाहती हैं मालविका मोहनन

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर अभिनेत्री मालविका मोहनन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदार 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे भविष्य में गैंगस्टर का रोल निभाना चाहेंगी। दरअसल, सोशल मीडिया पर सवाल जवाब के दौरान अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि वो आगे किस तरह के रोल करना चाहती हैं, तो मालविका ने कहा, 'मैं गैंगस्टर का रोल करना चाहती हूं।' इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' के को-स्टार कार्थी के बारे में भी बताया। एक और फैन ने पूछा कि खाने का शौकीन कौन है, तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हम दोनों को ही खाना और स्नैकिंग बहुत पसंद है। मुझे तो कभी भी, कहीं भी स्नैक खाना अच्छा लगता है और प्रमोशन के दौरान मुझे लगा कि कार्थी सर भी मेरे जैसे ही हैं।' फिल्म 'सरदार 2' में अभिनेत्री मालविका मोहनन के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी फिल्म साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है। साथ ही, यह फिल्म प्रीक्वल का भी काम करती है, जिसमें एजेंट सरदार (चंद्र बोस) के अतीत और उनके बेटे विजय प्रकाश की कहानी को आगे दिखाया जाएगा। डायरेक्टर पी एस मिथरन ने 'सरदार' में पानी के व्यवसायीकरण के मुद्दे को उठाया था। ये फिल्म बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस स्पाई थ्रिलर के दूसरे पार्ट में डायरेक्टर ने सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को दिखाने की कोशिश की है। फिल्म में कार्थी एक बार फिर पिता (चंद्रबोस उर्फ सरदार) और पुत्र (इंस्पेक्टर विजय प्रकाश) की दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी चंद्रबोस के अतीत के एक अधूरे मिशन और उससे जुड़े पुराने जख्मों से जुड़ी है, जो वर्तमान में एक नए और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में लौटती है। इस सीक्वल में एसजे सूर्या एक खूंखार और शक्तिशाली 'ब्लैक डैगर' की भूमिका निभा रहे हैं, जो कार्थी के सामने एक बड़ी चुनौती बनते हैं। फिल्म में मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और राजिशा विजयन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में योगी बाबू और अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

प्रीति जिंटा ने 'बंटवारा 1947' के फ्लॉप होने पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा ने लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की थी। लेकिन उनकी कमबैक फिल्म 'बंटवारा 1947' बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं दिखा सकी, जिसकी मेकर्स और फैंस को उम्मीद थी। भारी-भरकम स्टारकास्ट, आमिर खान का प्रोडक्शन और राजकुमार संतोषी का निर्देशन होने के बावजूद फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन काफी निराशाजनक रहा। अब इस फिल्म के फ्लॉप होने पर खुद प्रीति जिंटा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मिड-डे को दिए इंटरव्यू में प्रीति जिंटा ने फिल्म के प्रदर्शन पर दिल खोलकर बात की और बताया कि एक अभिनेता के तौर पर आप सिर्फ अपनी मेहनत को कंट्रोल कर सकते हैं, फिल्म के नतीजे को नहीं।

प्रीति जिंटा ने कहा, सबसे पहली बात तो यह है कि मुझे अपनी फिल्म पर बहुत गर्व है। यह मेरे लिए एक बहुत ही भावुक कर देने वाला अनुभव रहा। एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा अपनी उम्मीदों को संतुलित रखती हूं। जब मैं काम कर रही होती हूं, तो अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करती हूं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कर्म के सिद्धांत पर जोर दिया और कहा, मैं कर्म पर विश्वास करती हूं। आप अपना काम पूरी ईमानदारी से करें और बाकी सब ईश्वर पर छोड़ दें। आगे क्या होगा, इस पर आपका कोई नियंत्रण नहीं होता। इसलिए आप हर फिल्म में जितनी हो सके मेहनत करते हैं; मैं अपना 1000 प्रतिशत देती हूँ और बाकी सब भगवान पर छोड़ देती हूं।

फिल्म को क्यों मिला ठंडा रिस्पॉन्स?

फिल्म 'बंटवारा 1947' भारत और पाकिस्तान के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावुक और गंभीर ड्रामा है। यह कहानी मशहूर नाटककार असगर वजाहत के नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ई नई' पर आधारित थी। फिल्म में सनी देओल और शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। लाहौर में हवेली के मालिकाना हक और सांप्रदायिक तनाव के बीच बुनी गई यह कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम रही। 'बंटवारा 1947' की निराशा को पीछे छोड़ते हुए प्रीति जिंटा अब अपनी अगली फिल्म 'वाइब' की रिलीज की तैयारी में जुट गई हैं। कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें प्रीति एक अलग और बेहद मजेदार अंदाज में नजर आने वाली हैं। फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की नई लव स्टोरी में दिखेंगे विक्रांत

फिल्ममेकर राकेश ओमप्रकाश मेहरा इन दिनों अपनी सबसे बड़ी फिल्म 'कर्ण' की तैयारियों में बिजी हैं। इसकी शूटिंग शुरू करने से पहले राकेश ओमप्रकाश मेहरा एक छोटी फिल्म पूरी करना चाहते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'राकेश ने विक्रांत को अपनी अगली फिल्म के लिए चुन लिया है। यह फिल्म एक छोटे शहर की प्रेम कहानी होगी। बताया जा रहा है कि मेहरा इस कहानी को काफी समय से अपने साथ लेकर चल रहे हैं और अब इसे परदे पर उतारना चाहते हैं।'

फैंस को हमारी केमिस्ट्री पसंद है, इसलिए लेकर आए 'ना पूछदे' सॉन्ग

रियलिटी शोज के जरिए दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी अब एक नए अंदाज में साथ नजर आए हैं। 'स्प्लिट्सविला' और 'लॉक अप' के बाद सुर्खियां बटोर चुकी यह जोड़ी पहली बार एक म्यूजिक वीडियो के लिए साथ आई है। दोनों का नया रोमांटिक गाना 'ना पूछदे' रिलीज हो चुका है, जिसमें योगेश और आकांक्षा की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि गाने में मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ ने आवाज दी है। 'ना पूछदे' को प्ले डीएमएफ और वर्जिन म्यूजिक इंडिया ने पेश किया है। गाने में योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी की जोड़ी बेहद रोमांटिक नजर आ रही है। दोनों कलाकारों का कहना है कि यह गाना उनके चाहने वालों के लिए है, जिन्होंने अब तक के सफर में उन्हें भरपूर प्यार दिया है।

गाने को लेकर आकांक्षा चौधरी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''दर्शकों ने मुझे और योगेश को जो प्यार दिया है, उसके बदले हम भी अपने फैंस को कुछ खास देना चाहते थे। 'ना पूछदे' हमारे लिए ऐसा करने का एक शानदार मौका है। गाने की खूबसूरत लोकेशन ने इसके अनुभव को खास बनाया, वहीं नेहा कक्कड़ की आवाज ने इसमें एक अलग ही मिठास भर दी।'' आकांक्षा ने कहा, ''गाने को बनाते समय पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक जब 'ना पूछदे' को देखेंगे और सुनेंगे, तो वे भी उस प्यार और भावनाओं को महसूस कर पाएंगे, जो इस गाने को तैयार करने में शामिल रही हैं। यह म्यूजिक वीडियो दर्शकों से मिले प्यार के बदले हमारी तरफ से एक छोटा सा तोहफा है।''

वहीं, योगेश रावत ने भी अपने फैंस को सबसे बड़ी ताकत और उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, ''हमारे चाहने वालों ने हमें जिस तरह से सपोर्ट किया है, उसके लिए हम हमेशा आभारी रहेंगे। 'ना पूछदे' के जरिए हमने दर्शकों को अपनी केमिस्ट्री की झलक देने की कोशिश की है, जिसे लोग पसंद करते हैं।'' योगेश ने कहा, ''इस गाने को दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह हमारे लिए बेहद खास है। अपने पहले गाने में नेहा कक्कड़ की आवाज का होना इस अनुभव को यादगार बनाता है। नेहा की आवाज ने गाने की रोमांटिक भावनाओं को बहुत खूबसूरती से सामने रखा है।''

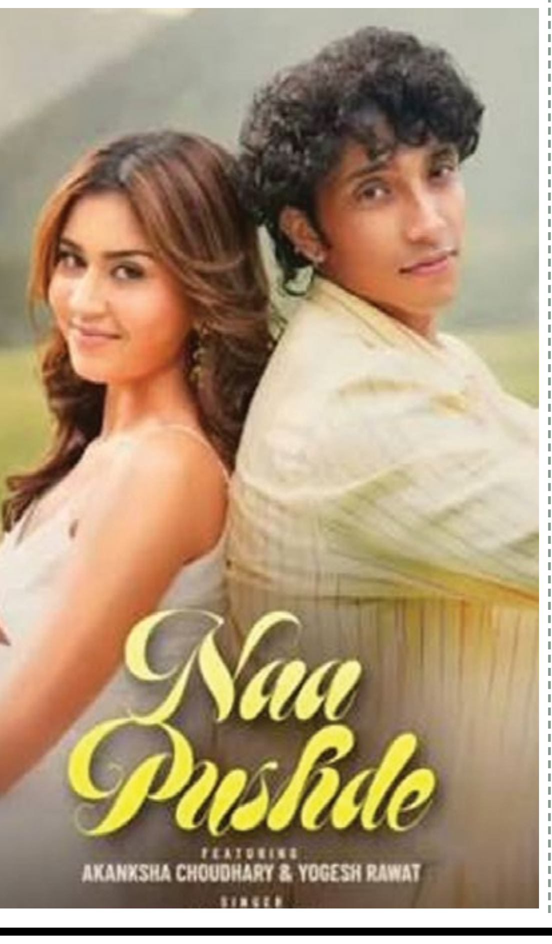

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर की एंट्री

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'केजीएफ' व 'सालार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मच-अवेटेड फिल्म 'ड्रेगन ' पहले ही अपने बड़े स्केल और दमदार स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री के बाद अब खबर है कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर भी इस एक्शन थ्रिलर का हिस्सा बन सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा सकते हैं, जबकि आलिया के रोल को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इन दोनों नामों को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियली स्टेटमेंट नहीं आई है।

फिल्म की कहानी 1967 के दौर कि है और इसका बैकड्रॉप 'गोल्डन ट्रायंगल' और इंटरनेशनल अफीम ट्रेड से जुड़ा बताया जा रहा है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब खबरें ये भी हैं कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर इस फिल्म से जुड़ने वाले हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी इसपर ऑफिशियली कुछ नहीं कही है।

'ड्रेगन ' में दिख सकती है 'शानदार' जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट और शाहिद कपूर 'ड्रेगन ' में लीड रोल निभाने के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। दोनों कलाकारों की ये जोड़ी इससे पहले फिल्म 'शानदार' में साथ नजर आ चुकी है। हालांकि, इस खबर पर अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

शाहिद बनेंगे विलेन

वहीं शाहिद कपूर को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके किरदार की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'कबीर सिंह' स्टार फिल्म में नेगेटिव रोल निभा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल में 'तेलुगु चित्रालु' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद इस प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स के संपर्क में हैं। अगर उनकी एंट्री पक्की होती है, तो ये तेलुगु सिनेमा में शाहिद कपूर की ऑफिशियल एंट्री होगी।

जूनियर एनटीआर की सर्जरी के बाद रिकवरी जारी

फिलहाल जूनियर एनटीआर अपनी कंधे की सर्जरी के बाद रिकवर कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस, दोस्तों और परिवार का उनके सपोर्ट और दुआओं के लिए शुक्रिया भी अदा किया था। इस दौरान प्रशांत नील फिल्म के दूसरे हिस्सों और कलाकारों से जुड़े काम को आगे बढ़ा रहे हैं।

दमण माछी समाज के प्रमुख चंद्रकांत काटेला ने सदस्यों के साथ माछीवाड की 18 शेरियों में गणपति बप्पा के किए दर्शन

■ माछी समाज की टीम ने दमण माछीवाड की विभिन्न शेरियों में स्थापित गणेश महोत्सवों में पहुँचकर विघ्नहर्ता गणेश के लिया आशीर्वादःसमाज, प्रदेश एवं देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 17 सितंबर। दमण के माछी समाज द्वारा गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। दमण माछी समाज की सभी 18 शेरियों में गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करके पूजा-अर्चना एवं आरती की जा रही है। दमण माछी समाज के प्रमुख चंद्रकांत काटेला और समाज के सदस्यों ने दमण की 18 शेरियों में स्थापित विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन किए। इसके साथ ही माछी समाज के प्रमुख एवं सदस्यों ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर समाज, प्रदेश एवं देश की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर माछी समाज के प्रमुख चंद्रकांत काटेला ने गणेश महोत्सव आयोजकों को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज की एकता एवं अखंडता बनी रहती है। वहीं हमारी युवा पीढी को हमारे धार्मिक त्यौहारों के बारे में पूरी जानकारी भी मिलती है। चंद्रकांत काटेला ने कहा कि हम भगवान गणेश से प्रार्थना करते हैं कि समाज, प्रदेश और देश में खुशहाली बनी रहे।

डीएमसी काउंसिलर अस्पी दमणिया ने सपरिवार कंसारवाड में विघ्नहर्ता गणेश की उतारी आरती

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 16 सितंबर। डीएमसी वार्ड नं-6 के कंसारवाड विस्तार में कंसारवाड युवक मित्र मंडल द्वारा गणेश महोत्सव मनाया जा रहा है। जहां पर प्रतिदिन श्रद्धालू भगवान गणेश का दर्शन करने पहुंच रहे हैं। डीएमसी काउंसिलर अस्पी दमणिया ने अपने परिवार और बॅकहाउस एवं कंसारवाड युवक मंडल के श्रद्धालुओं के साथ मिलकर भगवान गणेश की पवित्र आरती उतारी और सुख, शांति तथा समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय युवाओं के बीच अपार धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर बोलते हुए अस्पी दमणिया ने सभी क्षेत्रवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विघ्नहर्ता भगवान गणेश से दमण एवं समस्त देशवासियों के लिए शांति, सामाजिक सौहार्द और समृद्धि की प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन और युवाओं में सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए कंसारवाड युवक मंडल के सदस्यों के समर्पण और प्रयासों की सराहना की। समारोह का समापन महाप्रसाद वितरण और भक्ति संगीत के साथ हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को एकता और भाईचारे के सूत्र में पिरो दिया।

सिलवासा में गणपति विसर्जन को लेकर दिखा भक्ति और उल्लास का माहौल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 16 सितंबर। सिलवासा में ढाई दिन के गणपति विसर्जन को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। बुधवार को विभिन्न स्थानों पर विराजमान भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को भक्तगण ढोल-नगाड़ों, गुलाल और जयघोष के साथ विसर्जन के लिए ले गए। गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा। गणपति विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे, इसके लिए स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख मार्गों, चौराहों और विसर्जन स्थलों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ यातायात को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। गणपति विसर्जन के दौरान शहर में बढ़ने वाले यातायात को देखते हुए सिलवासा चार रस्ता से ओवरब्रिज तक विशेष यातायात डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई है। विसर्जन के लिए जाने वाले वाहनों एवं जुलूसों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए कुछ मार्गों पर यातायात को डायवर्ट किया जा रहा है। पुलिस द्वारा वाहन चालकों से निर्धारित मार्गों का उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई है। प्रशासन द्वारा दमणगंगा नदी के घाट पर विशेष विसर्जन कुंड बनाया गया है, ताकि गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से कराया जा सके। श्रद्धालुओं को नदी के मुख्य जल प्रवाह में सीधे विसर्जन करने के बजाय निर्धारित विसर्जन कुंड का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विसर्जन के लिए मिट्टी से निर्मित गणपति प्रतिमाओं को ही अनुमति दी जा रही है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे पर्यावरण हितैषी मूर्तियों का उपयोग करें और विसर्जन के दौरान प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें। ढाई दिन के गणपति विसर्जन के दौरान शहर में भक्ति और उत्साह के साथ-साथ सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देखने को मिला। प्रशासन, पुलिस और स्थानीय संगठनों की समन्वित व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की।

दमण पुलिस ने नमो पथ पर लापरवाही से गाड़ी चलाने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने और सरकारी निशान के गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 सितंबर। दमण पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने, ट्रैफिक नियम तोड़ने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस दिखाते हुए एक काली महिंद्रा स्कॉर्पियो (रजि. नं. जीजे-18-ईसी-2505) के ड्राइवर और मालिक के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया है और सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की है। यह कार्रवाई नमो पथ पर सी फेस रोड पर पैदल चलने वालों के लिए बनी सड़क पर गाड़ी चलाने और सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचाने के लिए की गई थी। गत 12 सितंबर को गाड़ी नमो पथ पर पक्के पैदल चलने वालों के फुटपाथ पर तेजी से, लापरवाही से और खतरनाक तरीके से चलाई गई, जिससे लोगों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हुआ। इस हरकत की वजह से कोटा स्टोन फ्लोरिंग और सड़क के किनारे लगे पत्थरों सहित सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर को बहुत नुकसान हुआ। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट दमण की ऑफिशियल शिकायत के बाद, नियम तोड़ने वालों को जिम्मेदार ठहराने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू की गई। इसके अलावा, यह भी पता चला कि गाड़ी के पिछले शीशे पर भारत का स्टेट एम्बलम लगा हुआ था, जो गैर-कानूनी तरीके से एक पब्लिक सर्वेंट का टोकन दिखा रहा था, जिसका मकसद अधिकारी होने का दिखावा करना था।

क्रिमिनल केस का रजिस्ट्रेशनः नानी दमण पुलिस स्टेशन ने सख्त कानूनी नियमों के तहत एफआईआर नं-20/2026 दर्ज किया गया है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता-2023 की सेक्शन 281 (रैश ड्राइविंग), 125 (जान या जान को खतरे में डालने वाला काम), 324(5) (नुकसान या क्षति पहुँचाने वाली शरारत), 204 और 205 (पब्लिक सर्वेंट होने का दिखावा करना और ऑफिशियल टोकन/एम्बलम का गलत इस्तेमाल), पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान से बचाव एक्ट 1984 की सेक्शन 3 और मोटर व्हीकल एक्ट 1988 की सेक्शन 177 और 184 (खतरनाक ड्राइविंग) के तहत मामला दर्ज किया गया है। दमण पुलिस ने नियम तोड़ने वाली गाड़ी जब्त कर ली है और ड्राइवर और गाड़ी के मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई चल रही है।

गाड़ी चलाने वालों और टूरिस्ट के लिए सख्त सलाह और चेतावनीः फुटपाथ सिर्फ पैदल चलने वालों के लिए हैंः समुद्र के किनारे की सड़कों पर पब्लिक घूमने की जगहें खास तौर पर पैदल चलने वालों के आने-जाने और सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं। पब्लिक रास्तों पर गाड़ी चलाना, किनारे पर चढ़ना, या पार्किंग करना एक गंभीर अपराध है। जिम्मेदारी और कानूनी नतीजेः अगर कोई भी व्यक्ति पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाता हुआ पाया जाता है, तो उस पर सख्त क्रिमिनल केस चलेगा, नियम तोड़ने वाली गाड़ी जब्त होगी और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान की भरपाई करने की कानूनी जिम्मेदारी होगी। बिना इजाजत के निशान पर सख्त रोकः सरकारी निशान, राज्य के निशान, या सरकारी अथॉरिटी दिखाने के लिए टोकन को गैर-कानूनी तरीके से दिखाना एक कानूनी जुर्म है और इसके लिए सीधी सजा हो सकती है। दमण पुलिस सभी विजिटर्स और रहने वालों का जिम्मेदारी से मजा लेने के लिए स्वागत करती है, लेकिन यह साफ कर देती है कि लोगों की जान को खतरे में डालने, शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचाने, या ट्रैफिक कानूनों को तोड़ने वाले कामों पर तुरंत, बिना किसी समझौते के कानूनी रोक लगाई जाएगी।

गुरू बोरिंगवाला ने एबोड रेसिडेंसी की पार्किंग से पकड़ा कोबरा

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 17 सितंबर। दमण के मशाल चौक-एयरपोर्ट रोड स्थित एबोड रेसिडेंसी की पार्किंग में आज कोबरा दिखने पर लोगों में भय का माहौल बन गया। पार्किंग एरिया में कोबरा दिखने पर तुरंत सांप पकडने के माहिर गुरू बोरिंगवाला को बुलाया गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे गुरू बोरिंगवाला ने अपनी सूझ-बूझ से कोबरा सांप को पकडकर निर्जन क्षेत्र में छोड़ दिया। कोबरा पकडे जाने से एबोड रेसिडेंसी के नागरिकों में राहत की सांस ली।

दीव के हायर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित गणपति बप्पा को दी गई विदाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 16 सितंबर। दीव जिले की पांच विद्यालयों में इसबार गणेश चतुर्थी के दिन विधिवत गणपति बप्पा की स्थापना की गई थी। विद्यार्थियों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावना के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश पहुँचाने के लिए विद्यालयों में गणेश उत्सव का आयोजन किया गया था। इसी संदर्भ में दीव के हायर सेकेंडरी स्कूल में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई थी। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया। इस मौके पर विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखा गया और गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जल्दी आना की जयघोष के साथ बप्पा को विदायी दी।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)